भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप
इन्क्यूबेशन एंड
इनोवेशन सेंटर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

अंक **3**
संस्करण - 05

मई 2024

टेक की बात

विश्व अस्थमा दिवस: हर सांस महत्वपूर्ण है

गुरु

मंत्र

श्री तरूण भार्गव

रणनीति, योजना, वित्तपोषण, शासन, जोखिम, नकदी प्रवाह प्रबंधन

संगठन निर्माण

कंपनी, व्यवसाय और संगठन परस्पर जुड़े हुए शब्द हैं, लेकिन इनकी अलग-अलग बारीकियां है। कंपनी एक कानूनी ढांचा है जिसे कंपनी अधिनियम 2013 के तहत स्थापित किया गया है, जो व्यावसायिक गतिविधियों को संचालित करने के लिए एक साधन के रूप में कार्य करता है। व्यवसाय स्वयं उन वाणिज्यिक कार्यों को संदर्भित करता है जिन्हें कंपनी द्वारा संचालित किया जाता है। अंत में, संगठन उन सभी आधारभूत तत्वों को शामिल करता है जो व्यवसाय को क्रियान्वित करने में सहायक होती है, जिसमें कर्मचारी, संसाधन और संरचनाएँ शामिल हैं। मूल रूप से, कंपनी कानूनी आधार प्रदान करती है, व्यवसाय वाणिज्यिक गतिविधि को परिभाषित करता है, और संगठन इसे संभव बनाने के लिए सभी तत्वों को एक साथ लाता है।

प्रमुख बिंदु:

- नीव निर्माण: एक मजबूत संगठनात्मक संस्कृति के साथ स्पष्ट उद्देश्य और लक्ष्य का होना आवश्यक है ताकि आपकी टीम एकजुट हो सके।
- टीम को संगठित करें: व्यक्तियों को उनके सम्बंधित कार्यों के आधार पर समूहित करें (जैसे, वित्त, विपणन) और उनकी भूमिकाएं, कर्तव्यों, और रिपोर्टिंग के लिए चैनल का स्पष्टीकरण करें।
- स्पष्ट प्रक्रियाएं (प्रोसेसज़)स्थापित करें: संचालन को सही दिशा देने, समन्वित प्रयासों को सुनिश्चित करने और हितधारकों का कुशल प्रबंधन करने के लिए नीतियों और प्रक्रियाओं को परिभाषित करें।
- अपनी टीम को सक्षम बनाएं: कर्मचारियों के प्रदर्शन को श्रेष्ठ बनाने के लिए आवश्यक साधन, संसाधन और बुनियादी संरचना प्रदान करें।
- प्रदर्शन को ट्रैक करें: व्यक्तियों और टीमों के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें, और उनकी प्राप्ति की दिशा में प्रगति को निरीक्षित करने के लिए प्रणालियों को कार्यान्वित करें।

संसाधन को प्राप्त किया जा सकता हैं, लेकिन एक सफल संगठन अनुकूलनशीलता और विकास पर निर्भर करता है। इसे एक स्पष्ट उद्देश्य, लक्ष्य-अनुरूप संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने वाले नेतृत्व की आवश्यकता होती है। जब व्यवसाय बढ़ता है तो, संगठन को बदलते परिवेश का सामना करने के लिए अपनी टीम को अनुकूलित और सशक्त बनाना चाहिए। यह अनुकूलनशीलता अस्तित्व, विकास, और सकारात्मक सामाजिक प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण है। एक मजबूत नेतृत्व महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से उन स्टार्टअप्स के लिए जिनके कई संस्थापक होते हैं, जहां संगठित दृष्टिकोण चुनौतियों का सामना करने और पूरी क्षमता प्राप्त करने के लिए आवश्यक होता है।

विषय - सूची

नवीन इन्क्यूबेशन

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर में मई माह के दौरान नवीन और अभिनव प्रौद्योगिकियों के साथ नए स्टार्टअप शुरू किए गए हैं। स्टार्टअप्स के बारे में जानने के लिए आगे पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 01-02

कार्यक्रम की झलकियां

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में वर्तमान में चल रहे विभिन्न कार्यक्रम अनुभागों में कुछ उत्कृष्ट उपलब्धियों के बारे में जानें ।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 03-04

सफलता की कहानियां

इस भाग में उन प्रेरक स्टार्टअप्स के बारे में जानें जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों से हमारे इनक्यूबेशन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 05

नवप्रवर्तकों से बात

यह खंड हमारे पाठकों को वर्तमान में एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में इनक्यूबेशन के तहत विशिष्ट, नवीन प्रौद्योगिकियों में से एक से परिचित कराता है। क्रांतिकारी प्रगति और परिवर्तनकारी पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में अधिक जानने के लिए इस खंड को पढ़ें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 06

आगामी कार्यक्रम/कार्यशालाएं /अनुदान

एसआईआईसी (SIIC), आईआईटी कानपुर में मई के लिए निर्धारित आगामी अनुदानों, कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का अन्वेषण करें।

अधिक जानने के लिए इस अनुभाग को देखें।

पृष्ठ सं: 07

नवीन इन्क्यूबेशन

साइबर चक्र टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, की स्थापना अभिषेक वाघमारे और शुभम पांडेय ने की है, यह कंपनी उन्नत सॉफ़्टवेयर समाधान और साइबर सुरक्षा उपकरणों के क्षेत्र में विशेषज्ञ है। उनकी विशेषज्ञता उन्हें साइबर फोरेंसिक्स के नवाचार में अग्रणी बनता है, जिसमें "वॉर्टेक्स" जैसे उन्नत उपकरण शामिल हैं।

सर्वशिक्षित प्राइवेट लिमिटेड, अमेय कारकरे और अंशी पांडेय द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो कौशल विकास और शैक्षिक परिणामों के बीच अंतर को कम करने के लिए काम करती है। उन्होंने कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए खिलौना-आधारित, शिक्षण पद्धति प्रदान करके इसे कार्यान्वित किया है। कंपनी के संस्थापक अपनी बौद्धिक संपदा के लिए लाइसेंसिंग अवसर प्रदान करने के लिए इच्छुक हैं।

हाइथेन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, पुष्कर प्रभाकर देव और अपर्णा पुष्कर द्वारा स्थापित स्टार्टअप, जो औद्योगिक सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए उच्च सटीकता वाले गैस सेंसर्स के निर्माण में विशेषज्ञ है।

साइबरअल्ट्रॉन कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, सुमन गोयल और मुकेश गोयल द्वारा स्थापित कंपनी, जो उन्नत साइबर सुरक्षा समाधान प्रदान करता है। उनका प्रमुख उत्पाद, एपीआई सुरक्षा इंजन (APISecurityEngine), डेटा की विश्वसनीयता और सुरक्षित चालन को सुनिश्चित करते हुए, अनधिकृत पहुंच, उल्लंघनों और हमलों से डिजिटल संपत्तियों की रक्षा करता है।

नवीन इन्क्यूबेशन

Vettedcode

वेटेडकोड टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हिमांशु गौतम और अभिषेक सिंह द्वारा स्थापित स्टार्टअप है, जो ब्लॉकचेन इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाता है। उनके उन्नत समाधान उभरते खतरों से बचाव करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि डिजिटल लेन-देन सुरक्षित और विश्वसनीय हो।

engaiz

एंगेज़ जीआरसी सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड, जिसे रंगराजन नारायणन और अनिल कुमार गुट्टा द्वारा स्थापित किया गया है, जो डिजिटल जोखिम प्रबंधन में विशेषज्ञ है। कंपनी उन्नत समाधान प्रदान करती है, जो संगठनों के डिजिटल जोखिमों को प्रबंधित और न्यूनीकरण करने में मदद करती हैं, जिससे डिजिटल दुनिया में मजबूत सुरक्षा और अनुपालन सुनिश्चित हो।

Innovative Grid Services

इनोवेटिव ग्रिड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, जिसे प्रोफेसर अंकुश शर्मा और प्रोफेसर सैकत चक्रवर्ती द्वारा प्रारंभ किया गया है। कंपनी बिजली उपकरणों के व्यावसायीकरण में विशेषज्ञ है और विद्युत बुनयादी संरचना को अनुकूलित करने के लिए उन्नत समाधान प्रदान करती है। इन समाधानों का मुख्य उद्देश्य विभिन्न वाणिज्यिक अनुप्रयोगों में कार्यक्षमता और विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

कार्यक्रम की

झलकियां

एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने मेडटेक, बायोटेक और हेल्थटेक में प्रारंभिक चरण के उद्यमों के लिए वित्तपोषण प्रदान करने हेतु बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट के 24वीं कॉल की जानकारी देने के लिए 23 अप्रैल को एक वेबिनार का आयोजन किया। एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर से डॉ. अनुकृति सिंह ने पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की, यह वेबिनार उन सभी शोधकर्ताओं और उद्यमियों के लिए एक उच्च मानक स्त्रोत बना जो वित्त प्राप्ति के अवसरों की तलाश कर रहें हैं।

और पढ़ें

सिटी(CITI) के सोशल इनोवेशन लैब ने एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी के साझेदारी में 25 अप्रैल को 1 क्राउड के पार्टनर श्री गिरिचंद्र कुचांगी के साथ एक सक्रिय चर्चा (फायरसाइड चैट) का आयोजन किया। निवेश बैंकिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और अग्रणी तकनीकी स्टार्टअप में 17 वर्षों के अनुभव के साथ, श्री कुचांगी ने व्यवसायों को बढ़ाने के लिए निवेश योजना रणनीतियों पर अपने दृष्टिकोण को साझा किया। सत्र का संचालन, स्टार्टअप्स के लिए धन जुटाने और रणनीतिक संचालन में विशेषज्ञता रखने वाले एसआईआईसी(SIIC) के सलाहकार श्री विजय कृष्णमूर्ति द्वारा किया गया।

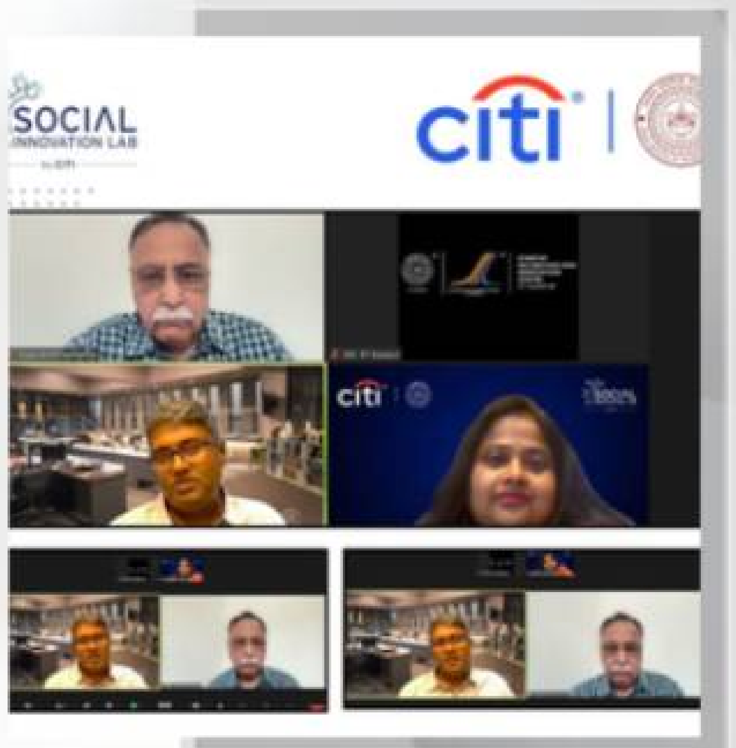

और पढ़ें

29 अप्रैल को, SIB SHinE और HII कार्यक्रमों के अंतर्गत मेडटेक नवप्रवर्तकों(इनोवेटर्स) के लिए एक डिज़ाइन थिंकिंग कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसमें विंडमिल हेल्थ टेक्नोलॉजीज के डॉ. अविजीत बंसल ने अपने महत्वपूर्ण विचारों को साझा किया। इस कार्यशाला के व्यावहारिक अनुभव ने उनकी रचनात्मक समस्या समाधान की क्षमताओं को प्रोत्साहित किया, जिससे उन्हें स्वास्थ्य सेवाओं को क्रांतिकारी बनाने की शक्ति मिली।

और पढ़ें

एसआईआईसी(SIIC) ने 2 मई को "एसेंशियल ऑफ़ ग्रांट राइटिंग फॉर बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट" शीर्षक से एक सूचनात्मक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रोफेसर अमिताभ बंद्योपाध्याय, सह-प्रमुख ,एसआईआईसी(SIIC),प्रमुख,बीएसबीई विभाग आईआईटी कानपुर और श्रीमती तरनजीत कौर, बाइरैक(BIRAC), भारत सरकार के उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ की प्रबंधक, ने बायोटेक नवाचारों के लिए अनुदान प्रस्ताव तैयार करने और वित्तपोषण सुरक्षित करने पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

और पढ़ें

कार्यक्रम की
झलकियां

डॉ. आशीष दुबे ने 3 मई को डिफेंस मटेरियल्स एंड स्टोर्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना -डीएमआरडीई), डीआरडीओ, से एसआईआईसी(SIIC) का दौरा किया और RF नैनोकम्पोजिट्स प्रा. लि., स्काईएआई टेक्नोलॉजीज़, ड्रीम एयरोस्पेस, और एथ्रोन एयरोस्पेस जैसे स्टार्टअप के संस्थापकों के साथ बातचीत की। यह बातचीत एयरोस्पेस, UAV,उन्नत साम्ग्री पर केंद्रित था जो अत्यंत उपयोगी साबित हुई। जिससे स्टार्टअप और डीआरडीओ के बीच मूल्यवान मार्गदर्शन और विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

और पढ़ें

9 मई को आयोजित पहला बायो-कनेक्ट सीरीज सत्र के तहत युवा मेडटेक उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों को सफलतापूर्वक एक साथ मंच प्रदान किया। पूर्व बायोडिज़ाइन फेलो से उद्यमी बने डॉ. पंकज छत्रला ने अपने महत्वपूर्ण दृष्टिकोण और उद्यमी अनुभवों को साझा किया, जिससे सत्र संवादपूर्ण और सूचनात्मक बना।

और पढ़ें

13 मई को एसआईआईसी(SIIC) ने "पाथवे टू कमर्शलिज़ैशन: एम्पोवेरिंग बिग ग्रांट अवार्डीस (वाणिज्यीकरण का मार्ग: बिग ग्रांट पुरस्कृतों को सशक्त बनाना,")," शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें डॉ. प्रुजल पारेख, डॉ. धनबल कुमारसामी और डॉ. बरकत हुसैन ने अपने अपने दृष्टिकोणो को साझा किया। इस सत्र को श्रीमती श्रेया संघवी मलिक, एवीपी, एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी-कानपुर ने संचालित किया, जिसमें विशेषज्ञों के अनुभव और एक संवादत्मक प्रश्नोत्तर सत्र शामिल था।

और पढ़ें

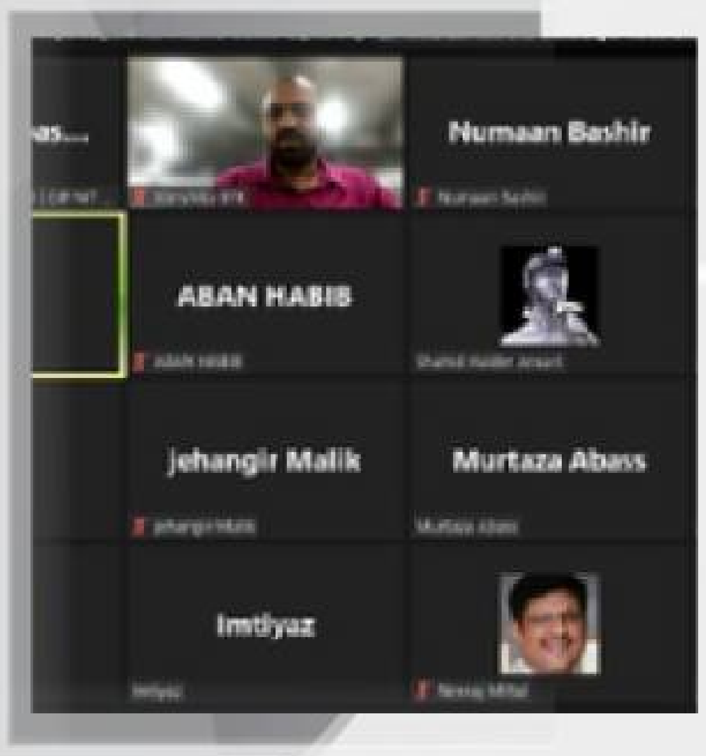

एसआईआईसी(SIIC) आईआईटी कानपुर ने ग्रीनोवेटर इनक्यूबेशन फाउंडेशन (टीबीआई) और एनआईटी श्रीनगर के सहयोग से 14 मई को बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) '24 पर एक ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया। डॉ. अरिजीत भट्टाचार्जी की महत्वपूर्ण बातचीत ने प्रतिभागियों के बीच उद्यमशीलता की रुचि को प्रेरित किया, जबकि आईटीबीआई के सीईओ शाहिद अब्बास मीर ने सत्र को कुशलता से संचालित किया। एसआईआईसी(SIIC), आईआईटी कानपुर ने आईटीबीआई-जीआईएफ और एनआईटी श्रीनगर के साथ भविष्य में सहयोग के लिए अपनी आशा व्यक्त की।

और पढ़ें

बीबीबीएस साइबर सिक्योरिटी

ने अपने चेन्नई कार्यालय में डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, लेफ्टिनेंट जनरल करणबीर सिंह ब्रार,जनरल ऑफिसर कमांडिंग(दक्षिण भारत) और जनरल सी.एस. मान,अतिरिक्त निदेशक, सेना डिज़ाइन ब्यूरो (एडीबी) की मेजबानी की। इस बैठक में समकालीन डिजिटल दुनिया में साइबर सुरक्षा और नवाचार के महत्व पर महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं, और आगामी उद्यमों के लिए आईआईटी कानपुर द्वारा प्रदान की गई मूल्यवान सहायता की विशेष सराहना की गई।

और पढ़ें

फ्रुवेटेक प्राइवेट लिमिटेड

एसआईआईसी(SIIC) इन्क्यूबेटेड एक कृषि-आधारित स्टार्टअप है, जो फल और सब्जियों के लिए नवाचारी, लागत-कुशल भंडारण प्रौद्योगिकियों के विकास पर काम कर रहा है। हाल ही में प्रसार भारती के सहयोग से इस स्टार्टअप ने अपनी तकनीक को डीडी किसान पर प्रस्तुत किया। फ्रूवेटेक का लक्ष्य कृषि की दक्षता को बढ़ाना और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करना है।

ट्रेकल टेक्नोलॉजीज

एसआईआईसी(SIIC) द्वारा इनक्यूबेट साइबर सुरक्षा स्टार्टअप ने इन्फ्लेक्शन प्वाइंट वेंचर्स के नेतृत्व में प्री-सीड फंडिंग में 4 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की। उनकी एआई-संचालित डिसेप्शन तकनीक(deception technology) एक साइबर सुरक्षा समाधान है जो साइबर अपराधियों को भ्रमित करने के लिए हनीपॉर्ट्स और नकली सिस्टम का उपयोग करती है और उनकी गतिविधियों का पता लगाती है, इससे व्यवसाय साइबर हमलों से सुरक्षित रहते है।

और पढ़ें

मेदांत्रिक मेडटेक

ने इस वर्ष विश्व अस्थमा दिवस (7 मई) पर एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया, जिसमें आईआईटी कानपुर परिसर निवासियों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच उपलब्ध की गई। जीएसवीएम और केकेयर अस्पताल के सहयोग से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य भारत में फेफड़ों के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता और ज्ञान को बढ़ावा देना था। इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहल के तहत फेफडों की कार्य क्षमता परीक्षण, छाती परामर्श और फिजियोथेरेपी परामर्श जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। मेदांत्रिक मेडटेक का यह प्रशंसनीय प्रयास सुलभ स्वास्थ्य देखभाल समाधान प्रदान करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

और पढ़ें

मेदांत्रिक मेडटेक

मेदांत्रिक मेडटेक प्राइवेट लिमिटेड, एसआईआईसी(SIIC) द्वारा समर्थित एक स्वास्थ्य सेवा स्टार्टअप है, यह कंपनी नवाचारी चिकित्सा उपकरणों का विकास करके भारत में फेफड़ों की देखभाल परिदृश्य को सक्रिय रूप से विकसित कर रहा है। कंपनी का मुख्य ध्यान सस्ते उपकरण और सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है, जिसकी शुरुआत उन्होंने नवीन ऑक्सीजन एनालाइजर (ऑक्सीजन एनालाइजर एक उपकरण है जो प्रणाली में ऑक्सीजन की मात्रा को मापता है। इसमें एक इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर होता है जो बेटरी की तरह कैथोड, एनोड और इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग कर ऑक्सीजन दबाव के अनुसार करंट उत्पन्न करता है जिससे ऑक्सीजन की सटीक मात्रा ज्ञात की जा सकती है।) के साथ की। मेदांत्रिक संस्थापक प्रिय रंजन ने हाल ही में एसआईआईसी(SIIC) के ऋषभ पांडे के साथ बातचीत की, जहां उन्होंने अपने नवीनतम उत्पाद नोडेक्स की विशिष्टता और लाभों पर चर्चा की।

एसआईआईसी(SIIC): मेदांत्रिक की स्थापना के लिए किस चीज़ ने प्रेरणा दी?

प्रिय रंजन: मेदांत्रिक मेडटेक, जो COVID संकट के दौरान "ऑक्सीजन मैन" व्हाट्सएप समुदाय से उत्पन्न हुआ, जिसको जून 2022 में आधिकारिक रूप से पंजीकृत किया गया। हमारा ध्यान सस्ती फेफड़ों की देखभाल समाधान पर है। हमने एक बहुमुखी सर्किट बोर्ड डिज़ाइन किया है, जिसकी कीमत 1,500 रुपये है, ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर्स और ऑक्सीजन प्लांट्स में उपयोग के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा, हमने केवल 8,000 रुपये में एक स्वदेशी ऑक्सीजन शुद्धता विश्लेषक(एनालाइजर) विकसित किया है, जो महंगे आयात को प्रतिस्थापित करता है।

SIIC: फेफड़ों के स्वास्थ्य मॉनीटर की प्रेरणा क्या थी और इसे ट्रैक करना क्यों महत्वपूर्ण है?

पीआर: वायु प्रदूषण, खासकर विकासशील देशों में, फेफड़ों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इससे हमें घरेलू निर्मित फेफड़ों के स्वास्थ्य की मॉनिटरिंग (निगरानी) उपकरण बनाने की प्रेरणा मिली, जो रक्तचाप या ऑक्सीजन स्तर मॉनिटर की तरह काम करता है।

यातायात सम्बंधित वायु प्रदूषण, जिसमें हवा में महीन कण (particulate matter) और रसायनों के उच्च स्तर होते है जो स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाते है और यहां तक कि यह फेफड़ों के कैंसर का कारण भी बन सकता है। चूंकि 90% भारतीय सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं और प्रदूषण का सामना करते हैं, जिससे उनका जीवनकाल कम हो सकता है। इसलिए, हमने एक उपयोगकर्ता-अनुकूल फेफड़ों के स्वास्थ्य जांच उपकरण को विकसित किया है।

एसआईआईसी(SIIC): नोडेक्स का उपयोग कैसे करते हैं?

पीआर: नोडेक्स एक उपयोगकर्ता के अनुकूल, एआई-संचालित फेफड़ों के स्वास्थ्य को मॉनिटर करने वाला उपकरण है। नोडेक्स का उपयोग काफी सरल है। प्रत्येक व्यक्ति की अपनी आदर्श फेफड़ों की कार्यक्षमता होती है, जो उम्र, वजन, लंबाई और वर्तमान फेफड़ों के स्वास्थ्य की स्थिति जैसे कारकों पर निर्भर करती है। अपने वर्तमान फेफड़ों की स्थिति का आकलन करने के लिए, बस डिवाइस में सांस छोड़ें, और यह आपके फेफड़ों की स्थिति की जांच करने के लिए आपके महत्वपूर्ण संकेतों का विश्लेषण करता है। इसमें नियमित परीक्षण और व्यायाम के दौरान फेफड़ों की स्वास्थ्य की निगरानी के लिए सहायक उपकरण भी हैं।

SIIC: भारत में नोडेक्स के लिए आपकी मार्केटिंग योजना क्या है?

पीआर: नोडेक्स को सितंबर 2024 में लॉन्च करने की तैयारी है। भारत में इसे बढ़ावा देने के लिए, हम फेफड़ों के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित कर रहे हैं। हाल ही में, कानपुर ट्रैफ़िक पुलिस के लिए आयोजित शिविर में, नोडेक्स के डेटा ने डॉक्टरों को दवाओं और फेफड़ों के व्यायाम की सलाह देने में मदद की। एक बार जब लोग नियमित रूप से अपने फेफड़ों के स्वास्थ्य की निगरानी के महत्व को समझ जाएंगे, तो उन्हें नोडेक्स अमूल्य लगेगा। हमें इन शिविरों से नोडेक्स के लिए कई प्री-बुकिंग भी प्राप्त हुई हैं और हमारा लक्ष्य मांग को सफलतापूर्वक पूरा करना है।

> “सही इनक्यूबेटर आपके नवाचारी विचारों को वास्तविकता में बदल सकता है।”
> ...प्रिय रंजन तिवारी

अंक - 3 | संस्करण - 05 |मई 2024

आगामी

अनुदान/कार्यक्रम/ कार्यशालाएं

10 जून 2024
बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (BIG) एप्लीकेशन
(Biotechnology Ignition Grant (BIG) application)

आवेदन के लिए क्लिक करें

20 जून 2024
कॉल फॉर ऍप्लिकेशन्स फॉर उड़ान (UDAAN)
(Call for Applications for UDAAN)

आवेदन के लिए क्लिक करें

www.siicincubator.com

संवर्धक

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

वित्तपोषण और पर्यवेक्षण

ज्ञान

कृत्रिम बुद्धिमता संवर्ध

उद्योग

अंतर्राष्ट्रीय

सेवा

क्लीनिकल

अंक - 3 | संस्करण - 05 | जून 2024

मई 2024

टेककी बात

विश्व अस्थमा दिवस: हर सांस महत्वपूर्ण है

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

स्टार्टअप इन्क्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर

www.siicincubator.com

सिडबी बिल्डिंग, सिक्स्थ एवेन्यू आईआईटी कानपुर कल्याणपुर, कानपुर उत्तर प्रदेश 208016

इनोवेशन हब, आईआईटी कानपुर आउटरीच सेंटर, ब्लॉक सी, सेक्टर 62, नोएडा